



# Absolute Truth

Know God Know Truth

Monthly Newsletter of ISKCON Delhi-NCR



## News

**When the world suffers from COVID, ISKCON connects masses to Lord GOVIND**  
(27th March to till now)  
(ISKCON, Dwarka)

While the world is shaken up to its core by the ongoing unprecedented Covid-19 pandemic, ISKCON Dwarka is relentlessly serving the Humanity. Under the guidance of H.H. Gopal Krishna Goswami Maharaj and able leadership of H.G. Pradyumna Priya Prabhu, president ISKCON Dwarka more than 5 lakh people are getting prasadam meals every day. People from various walks of life are coming, helping and donating for this noble cause.



**Mahabharata Kathamrita** (30th April to till now)  
(ISKCON, Dwarka)

"When life throws lemons at you, make lemonade. See challenges as opportunities" This saying rightly fits for the devotees who were putting in efforts in educating people about Krishna. H.G. Amogh Lila Prabhu, Vice President ISKCON Dwarka, a well-known speaker is showering an endless nectar of Mahabharata Katha. Every day thousands of people are getting connected to ISKCON Dwarka YouTube channel to hear the katha. Every day the response from online audience is going higher as many of them also express the happiness that they get from these narrations.



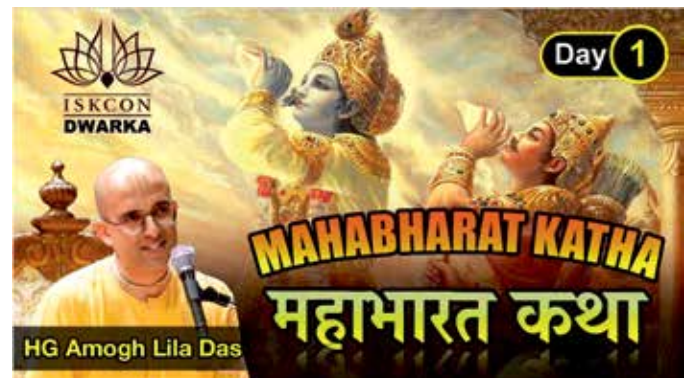
## समाचार

**जब दुनिया COVID से ग्रस्त है, ऐसे में इस्कॉन मंदिर जनता को भगवान गोविंद से जोड़ता है**  
(27 मार्च से अब तक)  
(इस्कॉन, द्वारका)

सुचारु अभूतपूर्व कोविड-19 महामारी से जहाँ दुनिया अपने मूल तक हिली हुई है, वहीं इस्कॉन द्वारका मंदिर मानवता की सेवा कर रहा है। परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज के मार्गदर्शन और श्रीमान प्रद्युम्न प्रिय प्रभु, मंदिराध्यक्ष, इस्कॉन द्वारका के कुशल नेतृत्व में, हर दिन 5 लाख से अधिक लोगों को भोजन प्रसादम उपलब्ध कराया जा रहा है। विभिन्न क्षेत्रों से लोग आकर इस पुनीत कार्य हेतु, अपना योगदान एवं सहायता प्रदान कर रहे हैं।

**महाभारत कथामृत** (30 अप्रैल से अब तक)  
(इस्कॉन, द्वारका)

"जब दुर्भाग्य आप पर पत्थर उछाले तो आपको उन्हीं पत्थरों से सफलता के सोपान तैयार करने चाहिए। तात्पर्य यह है कि चुनौतियों को अवसरों के रूप में देखें..." यह कहावत उन भक्तों पर भी चरितार्थ है जो लोगों को कृष्ण विषयक ज्ञान प्रदान करने में प्रयासरत हैं। श्रीमान अमोघ लीला प्रभु, उपाध्यक्ष इस्कॉन द्वारका मंदिर एवं एक सुप्रसिद्ध वक्ता, महाभारत कथा की अंतहीन अमृत वर्षा कर रहे हैं। कथा श्रवणन हेतु प्रतिदिन हजारों लोग इस्कॉन द्वारका मंदिर के यूट्यूब चैनल से जुड़ रहे हैं। हर दिन ऑनलाइन दर्शकों की प्रतिक्रिया बढ़ती जा रही है, क्योंकि उनमें से कई उन खुशियों को भी व्यक्त करते हैं जो उन्हें इन कथाओं के माध्यम से मिल रही हैं।





## **Sita Navami (2nd May)** (ISKCON, East of Kailash)

Sita Navami was celebrated on 2nd May in a private ceremony consisting of abhishek and kirtan. Devotees prayed to Sita Maharani for her loving shelter and protection from the attack of maya.



## **Nrsimha Caturdashi (6th May, 2020)** (ISKCON, East of Kailash)

Nrsimha Caturdashi was celebrated with abhishek and kirtan. Although the public was forbidden entry into the temple, devotees celebrated this festival in their respective homes. Devotees take shelter of Lord Nrsimhadeva who is known to be the protector of all in distress. The pandemic has provided all of us an opportunity to intensify our dependence on Lord Nrsimhadeva, praying for the protection of our spiritual life. Devotees used meeting portals such as Zoom and Skype to read about the glorious pastimes of Prahlada Maharaja and Nrsimhadeva. The day was spent in prayer for the world and hearing about the Lord's munificence and mercy on which we need to depend. A Nrsimhadeva yajna was also conducted for saving the mankind from the pandemic. The yajna lasted for many days and it was performed till May 6 when the purnahuti was done.

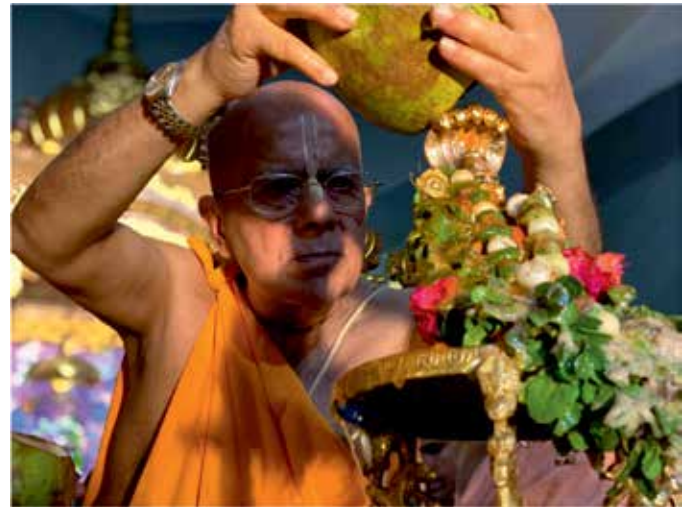


## **श्रीमति सीता नवमी (2 मई)** (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

सीता नवमी 2 मई को एक निजी समारोह के अंतर्गत मनायी गई, जिसमें अभिषेक एवं कीर्तन आदि शामिल थे। भक्तों ने श्रीमति सीता महारानी से अपने चरणों में प्रेमपूर्ण आश्रय प्रदान करने तथा मायादेवी के आक्रमण से सुरक्षा हेतु प्रार्थना की।

## **नृसिंह चतुर्दशी (6 मई, 2020)** (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

नृसिंह चतुर्दशी अभिषेक एवं कीर्तन के साथ मनाई गई। हालाँकि मंदिर में सार्वजनिक प्रवेश की मनाही थी, लेकिन भक्तों ने अपने-अपने घरों में इस त्योहार को मनाया। भक्त भगवान नृसिंहदेव की शरण लेते हैं जो संकट में सभी के रक्षक माने जाते हैं। इस महामारी ने हम सबको भी भगवान नृसिंहदेव से हमारे आध्यात्मिक जीवन की रक्षा हेतु प्रार्थना कर उन पर अपनी निर्भरता बढ़ाने का अवसर प्रदान किया है। भक्तों ने प्रह्लाद महाराज और भगवान नरसिंहदेव की लीलाओं के विषय में अध्ययन हेतु जूम और स्काइप जैसे पोर्टल्स का उपयोग किया। वह दिन संसार के लिए प्रार्थना और भगवान की उदारता एवं दया के विषय में सुनने में बीता, जिस पर हमें निर्भर रहने की जरूरत है। महामारी से मानव जाति को बचाने हेतु एक नृसिंहदेव जी का यज्ञ भी किया गया था। यज्ञ कई दिनों से किया जा रहा था एवं 6 मई को पूर्णाहुति होने तक चला।



## **इस्कॉन को इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड द्वारा सम्मानित किया गया** (इस्कॉन दिल्ली)

इस्कॉन द्वारका में आयोजित एक विशेष समारोह में, "इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड्स" ने प्रतिदिन पांच लाख लोगों को भोजन कराने के रिकॉर्ड हेतु इस्कॉन मंदिर को मान्यता प्रदान की। पहले से उपस्थित 3.5 लाख लोगों को भोजन कराने का रिकॉर्ड द्वारका मंदिर ने एक ही दिन में ध्वस्त कर दिया। यह दक्षिण पश्चिम क्षेत्र के जिला प्रशासन के साथ साझा सम्मान किया गया था। इस सम्मान में इसके रोल मॉडल स्वयं परम पूज्य गोपाल कृष्ण गोस्वामी महाराज (GBC एवं BBT ट्रस्टी) के अमूल्य योगदान का भी उल्लेख किया गया, जो इस मिशन के पीछे के प्रेरणा स्तोत्र हैं। इस्कॉन संस्थापकाचार्य ए.सी. भक्तिवेदांत स्वामी प्रभुपाद के निर्देशानुसार, इस्कॉन सदा ही संकट के समय में न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर में पहल करने वाला रहा है। लॉकडाउन के



## ISKCON honoured by India Book of Records (ISKCON Delhi)

In a special ceremony organised at ISKCON Dwarka, India Book of Records accorded recognition to the temple for making a record of feeding five lac people in a day. Dwarka Temple broke the already existing record of 3.5 lac people being fed in a single day. The honour was shared with the District Administration of South West Zone. The honour roll also mentioned the priceless contribution of His Holiness Gopal Krishna Goswami Maharaja, GBC and BBT Trustee, who has been the inspiration behind this mission. Fired by the instruction of the Founder Acharya A.C Bhaktivedanta Swami Prabhupada, ISKCON has always been the first few to step up in times of crisis, not only in India but all around the world. Since the lockdown, ISKCON has served four crore healthy meals through its seventy three kitchens established all across the country. This distribution to the low income families and migrants, has been possible through the voluntary work taken up by devotees pan India.



समय से ही इस्कॉन ने देश भर में स्थापित अपनी तिहत्तर रसोईयों के माध्यम से चार करोड़ से ज्यादा उत्तम स्वास्थ्यवर्धक एवं पोषक भोजन परोसा है। कम आय वाले परिवारों श्रमिकों एवं प्रवासियों को भारत भर में किया जा रहा यह प्रसाद वितरण, भक्तों के द्वारा की जा रही स्वैच्छिक सेवा कार्य के माध्यम से ही संभव हो पाया है।



## Daily Chanting of 108 names of Krsna (May) (ISKCON, Punjabi Bagh)

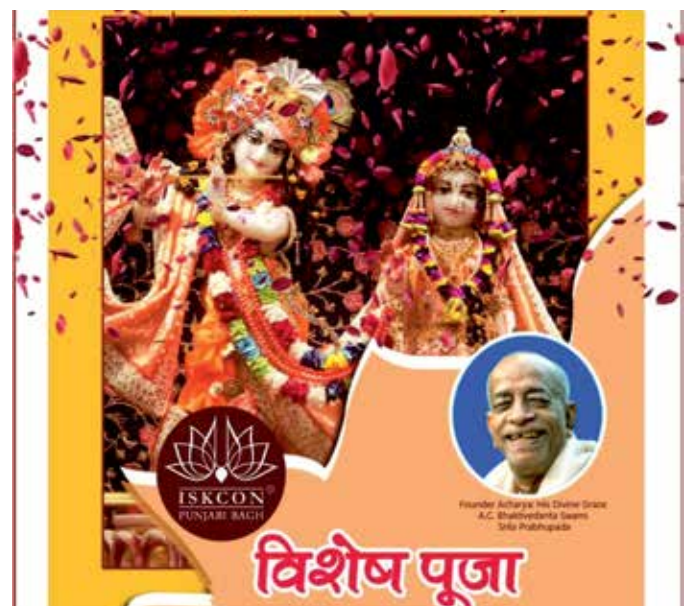
Fear and insecurity has plagued all communities and nations across the globe. In these unprecedented times, while ISKCON Punjabi Bagh didn't have the biological medicine to the virus, it certainly had the psychological and spiritual medicine ready within hours of the spread. This medicine is taken daily by all the devotees of temple. It is a unique medicine - one dosage divided into 108 complete parts. Every morning, after the Bhagavatam class - devotees come together and chant 108 names of Krsna. Those at home join virtually and magnify its potency. A tested cure for the fear and insecurity residing in one's mind! The devotees can request special puja for their self and their families by sending a mail to iskconcares@gmail.com.

## Praise from the Political Strata (ISKCON, Dwarka)

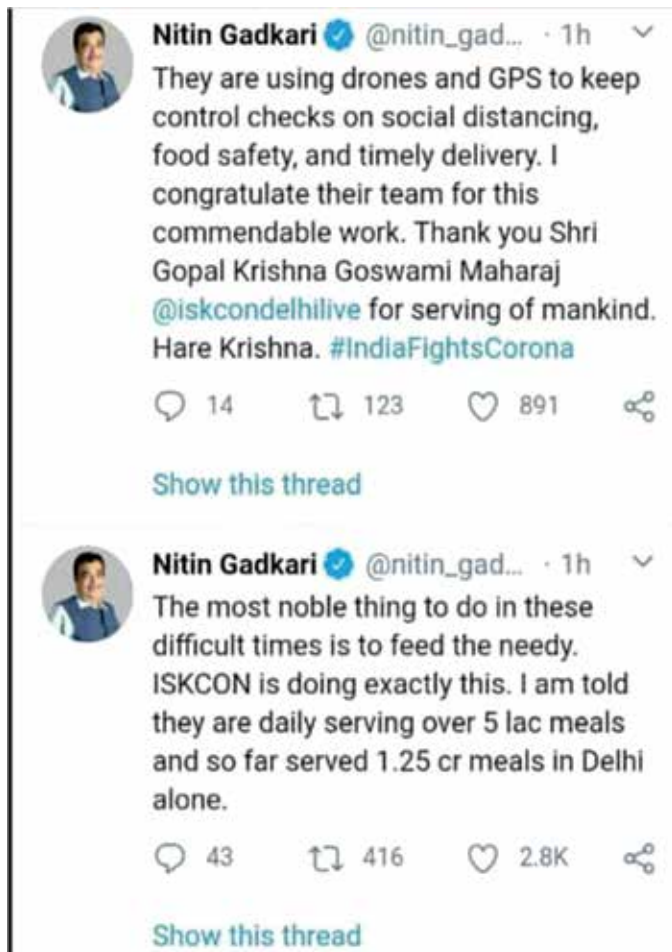
ISKCON's efforts are widely being praised by various political parties. Union minister Mr. Nitin Gadkari praised the efforts of devotees on Tweeter. Delhi deputy chief minister Mr. Manish Sisodia visited the mega kitchen and lauded the temple authorities for maintaining very hygienic conditions

## कृष्ण के 108 नामों का दैनिक जप (मई 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस भय और असुरक्षा के वातावरण ने दुनिया भर के सभी समुदायों और राष्ट्रों को त्रस्त कर दिया है। ऐसे अभूतपूर्व समय में, जबकि इस्कॉन पंजाबी बाग मंदिर के पास इस विषाणु हेतु कोई जैविक दवा तो उपलब्ध नहीं थी, किन्तु महामारी फैलने के कुछ घंटों के भीतर ही मनोवैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक दवा निश्चित रूप से तत्पर थी। यह दवा मंदिर के सभी भक्तों द्वारा प्रतिदिन ली जा रही है। यह एक अनूठी दवा है - इस दवा की निर्धारित मात्रा को 108 पूर्ण भागों में विभाजित किया गया है। प्रतिदिन सुबह, भागवतम प्रवचन के उपरान्त - भक्त एक साथ आकर कृष्ण के 108 नामों का जाप करते हैं। जो घरों में ही हैं वे भी ऑनलाइन जुड़कर इसकी शक्ति को संवर्धित करते हैं। किसी भी मानसिक भय एवं असुरक्षा हेतु यह एक परीक्षण किया गया उपचार है। श्रद्धालु भक्त गण iskconcares@gmail-com पर एक ई-मेल भेजकर अपने और अपने परिवार हेतु विशेष पूजा का अनुरोध कर सकते हैं।



and preparing sumptuous, healthy prasadam. Many leaders from BJP and other parties visited and were surprised to see the marathon effort. They also contributed from their side for the food relief.



## **Rukmini Dwadasi Celebrations (5th May 2020)** (ISKCON, Dwarka)

Rukmini Dwadasi was celebrated by conducting 3 day online sessions by H.G. Dhananjay Krishna Prabhu. The three-day katha were centered around the unlimited glories of most gracious, benevolent and kind hearted mother Rukmini. The temple residents performed the abhisheka of the Lordships on the divine occasion of Rukmini Dwadasi while observing strict social distancing norms and safety measures.

## **Sacred Space Book Reading Club (May)** (ISKCON, Punjabi Bagh)

To utilize this lockdown period to go a level deeper in our spiritual practices and to deepen our relationship with Srila Prabhupada, the temple has organized an online book club to daily read together. The book reading classes were started from 28th Apr 2020 from 11.30 am -12.30 pm. The reading sessions include reading from different books like Srimad Bhagawatam, Chaitanya Caritamrita, Mukund Mala Strotra. In addition, devotees also recite and memorize slokas together. These are live sessions on ISKCON Punjabi Bagh social media handles and Mobile App-ISKCON PB. Those who want to join can contact Premanjana Das +91-8802212763.

## **राजनीतिक स्तर से प्रशंसा** (इस्कॉन, द्वारका)

इस्कॉन के प्रयासों की विभिन्न राजनीतिक दलों द्वारा व्यापक रूप से प्रशंसा की जा रही है। केंद्रीय मंत्री श्री नितिन गडकरी जी ने ट्वीटर पर भक्तों के प्रयासों की प्रशंसा की। दिल्ली के उपमुख्यमंत्री श्री मनीष सिंसोदिया ने बृहद-रसोई का निरीक्षण किया और मंदिर के अधिकारियों को अत्यंत स्वच्छता की स्थिति बनाए रखने एवं शानदार, स्वास्थ्यवर्धक प्रसाद तैयार करने हेतु सराहना की। भाजपा एवं अन्य दलों के कई नेताओं ने भी इस्कॉन द्वारका मंदिर का दौरा किया एवं इस मैराथन प्रयास को देखकर आश्चर्यचकित रह गए। भोजन में सहायता हेतु उन्होंने भी अपनी ओर से योगदान दिया।

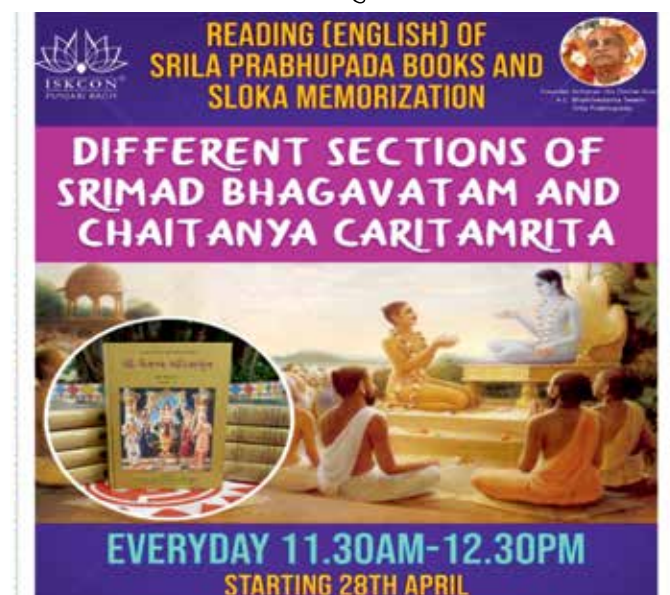


## **रुक्मिणी द्वादशी समारोह (5-मई 2020)** (इस्कॉन, द्वारका)

श्रीमान धनंजय कृष्ण प्रभु द्वारा 3 दिवसीय ऑनलाइन सत्र आयोजित कर रुक्मिणी द्वादशी मनाई गई। तीन दिवसीय कथा परमोदार, परोपकारी एवं करुणामई माता रुक्मिणी के असीम महिमामंडन पर केंद्रित रही। मंदिर के निवासी भक्तों ने उचित सामाजिक दूरी के मानदंडों एवं सख्त सुरक्षा उपायों का पालन करते हुए रुक्मिणी द्व द्वादशी के अवसर पर परम भगवान का दिव्य अभिषेक किया।

## **'पवित्र-स्थल' पुस्तक अध्यन केंद्र (मई 2020)** (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस लॉकडाउन अवधि का समुचित उपयोग कर, अपने आध्यात्मिक प्रयासों को गहराई देने तथा श्रील प्रभुपाद के संग अपने संबंधों को और





## **Sadhu Sanga over Internet continues** (ISKCON, East of Kailash)

Devotees continued to conglomerate on meeting portals to make most of the situation. Classes were continued on various portals which were attended enthusiastically by devotees from all around.

**H.G. Jitmitra Prabhuji**, a senior preacher at ISKCON, East of Kailash, conducted online sessions on understanding Bhagavad Gita in five minutes.

**H.G. Akrura Prabhuji**, a senior preacher from Canada, spending the lockdown in Delhi, gave his association to devotees, while attending to the various practical and philosophical aspects of devotional life.

**H.G. Mohan Rupa Prabhuji**, Temple President, ISKCON, East of Kailash, took devotees through the nectarean pastimes of Chaitanya Mahaprabhu in Chaitanya Charitamrita. H.G. Rishi Kumar prabhu continues to enlighten devotees on the timeless wisdom of Bhagavad-gita.

**H.G. Sarvapriya Prabhuji** guided devotees through the eleventh Canto of Srimad Bhagavatam.



Since the time the world has come into the grip of COVID-19 pandemic, the entire pattern of preaching has undergone a tremendous change. The running time is really quite harsh when even the temples are closed for darshans of the deities, what to talk of ecstatic kirtans & spiritual discourses. Sri Sri Radha Madhav Temple (ISKCON ROHINI) is doing wonders in this direction through its enthusiastic leaders who are ever ready to serve Krishna & his devotees. As usual, the temple president HG Keshav Murari Prabhu, a visionary leader has already taken up a very lively series on '12 Mahajans' & 'Navdha Bhakti' over the past two months & now looking forward to lockdown special IYF e-sanga combine classes being led by H.H. Bhakti Ashraya Vaishnav Maharaj, H.G. Radheshyam Prabhu, H.G. Amogh Lila Prabhu & H.G. Gauranga Prabhu. Besides, the senior most leader of the temple H.G. Radha Keshav Prabhu has been conducting his daily 'BG nectar classes' for more than past one month. H.G. Aja Nimai Prabhu along with H.G. Sachinandan Prem Prabhu is taking utmost care of devotees in their charge. H.G. Ujjawal Prad Prabhu is leading in the temple with all the devotees in his charge chasing for 64 rounds of harinaam daily. H.G. Narayani mata ji is conducting frequent online seminars on different issues concerning spirituality. Last but not the least, very energetic, vibrant bhakta Raunak along with his team is taking care of 'kirtan needs' of the devotees.

प्रगाढ़ करने हेतु, मंदिर ने एक दैनिक सामूहिक ऑनलाइन पुस्तक अध्ययन क्लब का गठन किया है। पुस्तक अध्ययन की कक्षाएं 28 अप्रैल 2020 सुबह 11:30 से 12:30 बजे तक आरम्भ हुईं। अध्ययन सत्र में विभिन्न पुस्तकों जैसे श्रीमद् भागवतम्, चौतन्य चरितामृत, मुकुंद माला स्त्रोत आदि से पढ़ना शामिल है। इसके अलावा, भक्तगण श्लोकों का सस्वर सामूहिक उच्चारण कर उसे कंठस्त भी करते हैं। यह सत्र इस्कॉन पंजाबी बाग सोशल मीडिया हैंडल एवं मोबाइल-ऐप "इस्कॉन पंजाबी बाग" पर भी सजीव प्रसारित है। जो लोग भी इसमें शामिल होना चाहते हैं वे प्रेमांजन दास जी (91-8802212763) से संपर्क कर सकते हैं।

## **इंटरनेट पर साधु-संग जारी है** (इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

परिस्थितियों को सुगम बनाने हेतु भक्तों की सामूहिक भेंट ऑनलाइन मीटिंग पोर्टल्स पर होती रही है। विभिन्न ऑनलाइन पोर्टलों पर कक्षाएं सुचारु हैं, जिनमें सभी स्थानों से भक्तों द्वारा उत्साहपूर्वक भाग लिया जा रहा है।

इस्कॉन ईस्ट ऑफ कैलाश के वरिष्ठ प्रचारक **श्रीमान जितामित्र प्रभुजी** ने पाँच मिनट में भगवद गीता समझने हेतु ऑनलाइन सत्र आयोजित किए।

कनाडा के एक वरिष्ठ प्रचारक **श्रीमान अक्रूर प्रभुजी** ने दिल्ली में लॉकडाउन अवधि व्यतीत करते हुए, आध्यात्मिक जीवन के विभिन्न व्यावहारिक एवं दार्शनिक पक्षों पर व्याख्यान के माध्यम से भक्तों को अपनी संगति प्रदान की।

**श्रीमान मोहन रूप प्रभु जी**, मंदिराध्यक्ष, इस्कॉन-ईस्ट ऑफ कैलाश, ने चैतन्य-चरितामृत से चैतन्य महाप्रभु की अमृतमयि लीलाओं का पान कराया।

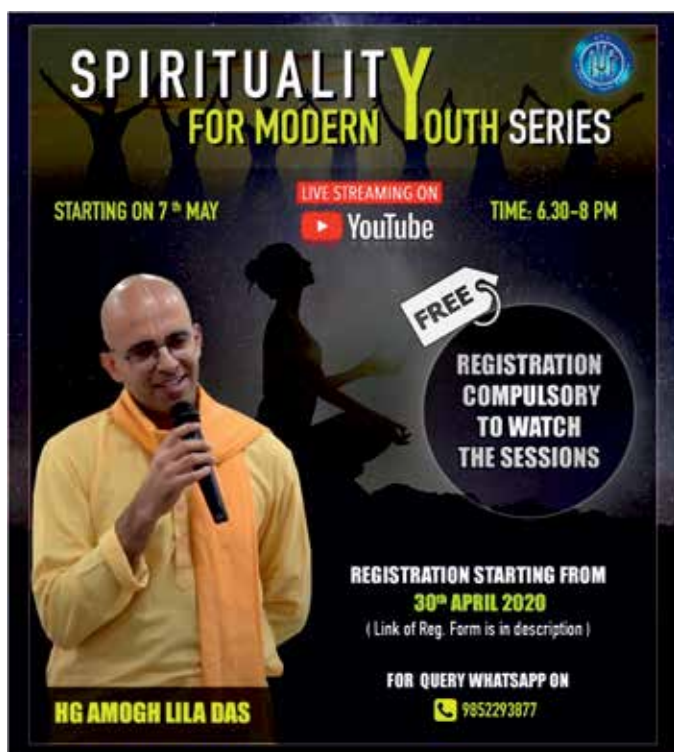
**श्रीमान ऋषि कुमार प्रभु जी** ने भगवद-गीता के कालातीत ज्ञान के माध्यम से भक्तों का हृदय आलोकित किया।

**श्रीमान सर्वप्रिय प्रभुजी** अभी भी श्रीमद्भागवतम् के ग्यारहवें स्कंध के माध्यम से भक्तों का मार्गदर्शन कर रहे हैं।

जब से दुनिया COVID-19 महामारी की चपेट में आई है, प्रचार के पूरे स्वरूप में जबरदस्त बदलाव आया है। सुचारु समय वास्तव में काफी कठोर है, परम आनंद-दायक कीर्तन और आध्यात्मिक प्रवचनों की तो बात ही क्या की जाए, जबकि मंदिर, भगवद विग्रहों के दर्शनों हेतु भी बंद कर दिए गए हैं, श्री श्री राधा माधव मंदिर (इस्कॉन रोहिणी) अपने उत्साही भक्तों के माध्यम से इस दिशा में चमत्कार कर रहा है। जो कि कृष्ण और उनके भक्तों की सेवा हेतु सदा तत्पर रहते हैं। सदा की भाँति ही, मंदिराध्यक्ष श्रीमान केशव मुरारी प्रभु, एक दूरदर्शी नेता की भाँति पिछले दो महीने पहले से ही 'द्वादश महाजन' एवं 'नवधा भक्ति' पर एक सजीव श्रृंखला का नेतृत्व कर चुके हैं और अब एक लॉकडाउन-विशेष IYF ई-संग की संगठित-कक्षाओं के बारे में प्रतीक्षारत हैं जिनका नेतृत्व परम पूज्य भक्ति आश्रय वैष्णव स्वामी महाराज, श्रीमान राधेश्याम प्रभु, श्रीमान अमोघ लीला प्रभु एवं श्रीमान गौरांग प्रभु के संयुक्त नेतृत्व में किया जाएगा। इसके अलावा, मंदिर के वरिष्ठतम भक्त श्रीमान राधा केशव प्रभु पिछले एक महीने से भी अधिक समय से दैनिक 'श्रीमद् भगवद्गीता की अमृतमयि कक्षाओं' का संचालन कर रहे हैं। श्रीमान सचिनंदन प्रेम प्रभु के साथ श्रीमान अज निमाई प्रभु अपने प्रभार में भक्तों का अत्यधिक ध्यान रख रहे हैं। श्रीमान उज्जवल प्रद प्रभु के नेतृत्व में मंदिर के सभी भक्त उनके साथ प्रतिदिन 64 माला हेतु हरिनाम करते हैं। श्रीमति नारायणी माता जी आध्यात्मिकता से संबंधित

## **Spirituality for Modern Youth series** (7th May to 22nd May 2020) (ISKCON, Dwarka)

During the times when the world is looking for a respite from Covid-19 paranoia, the initiative from ISKCON Youth forum to reach people out and "home deliver" them the science of spirituality, was incredible. There were more than 1,500 participants attending the 6-sessions course. The sessions were delivered by H.G. Amogh Lila Prabhu, Motivational Speaker, Spiritual Mentor, Guest faculty in IIMs and IITs. Sessions were much appreciated by the attendees. In particular, the question answer sessions caught a lot of attention and helped them come a step closer to Krsna. "Spirituality for Modern Youth" sessions were undoubtedly an invaluable guide for the youth that participated.



## **India's First Online Value Education Olympiad** (May 2020) (ISKCON, Punjabi Bagh)

At ISKCON, we have always made an effort to talk about higher self and transcendental values over material aspirations. In a time where opinions change with new trends, we have tried to breed a generation that stands by its ideas no matter how tempting it is to be otherwise. To make sure that our children who are observing a drastic change in the society, who are experiencing anxiety, who are going through a lot in the name of new normal, we wish to give them support, support of our own scripture Bhagavad Gita. We have planned to reach out through our Value Education classes which will start from 30th May 2020 and will integrate with our Value Education program 2020. Last year we touched 6200 students and 22 schools with the help of many devotees. This time we wish to reach 15,000 children. However, this is a huge task which no one can accomplish alone. We all have to

त विभिन्न मुद्दों पर लगातार ऑनलाइन सेमिनार कर रही हैं और अंतिम परंतु किसी से कमतर नहीं बल्कि असीम ऊर्जावान, भक्त रौनक अपनी टीम के साथ भक्तों की शकीर्तन से सम्बंधित सभी जरूरतों का ध्यान रख रहे हैं।

## **आधुनिक युवाओं हेतु आध्यात्मिकता एक शृंखला** (7मई से 22मई 2020) (इस्कॉन, द्वारका)

उस समय में जब दुनिया कोविड-19 जैसे मानसिक उन्माद से स्थगन की खोज में है, इस्कॉन युवा मंच की ओर से लोगों को उनके घरों तक पहुंचकर उन्हें आध्यात्मिकता का विज्ञान देने की पहल अविश्वसनीय थी। 6-सत्रीय पाठ्यक्रम में भाग लेने वाले 1,500 से अधिक प्रतिभागी थे। सत्र श्रीमान अमोघ लीला प्रभु, (प्रेरक वक्ता, आध्यात्मिक परामर्शदाता, आईआईएम तथा आईआईटी के अतिथि शिक्षक द्वारा लिए गए थे। उपस्थित लोगों द्वारा सत्र की काफी सराहना की गई। विशेष रूप से, प्रश्नोत्तर सत्र ने बहुत लोगों का ध्यान आकर्षित किया और उन्हें कृष्ण के समीप पहुंचने में मदद की। आधुनिक युवाओं हेतु आध्यात्मिकता के सत्र निस्संदेह भाग लेने वाले युवाओं हेतु अमूल्य मार्गदर्शक सत्र थे।

## **भारत का पहला ऑनलाइन मूल्य शिक्षा ओलंपियाड** (मई 2020) (इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन में, भौतिक आकांक्षाओं से ऊपर, हमने सदैव ही, उच्च,



**ISKCON Punjabi Bagh**  
presents India's first online  
**VALUE EDUCATION OLYMPIAD 2020**

"It is our choices that make us who we are. It is not hard to make decisions when you know what your values are"

"In a world where titles, degrees, fame can be bought with money, make sure your children are wealthy of everything money cannot buy."

Registration begins: 15th May 2020  
Registration ends: 15th June 2020  
Registration Fee: Rs. 200/-  
Date of Examination: 29th June, 2020 (9:00 a.m.)  
Mode of Examination: Hindi/English  
Eligibility: Group A - V to VIII, Group B - IX to XII  
Registration Link: <http://iskconpunjabibagh.com/veo2020/>

**REGISTER NOW**

**Every Participant will get**

- Bhagvad Gita Hindi/English (physical form through courier)
- Study Guide & Question Bank Hindi/English
- E-certificate

Online Payment, Online Registration, Online Exam

**Exciting Prizes to be won**

- 1st Prize: Laptop worth Rs. 30,000
- 2nd Prize: Firefox bicycle worth Rs. 15,000
- 3rd Prize: Kindle worth Rs. 10,000



come together as a community and pledge that we will make a better future for our next generation. We have to make sure that they learn to do the right thing even when no one is watching. We can do this by inculcating right values in them through our own scripture Bhagavad Gita.

## **Tulasi jaladana ends (14th May)**

Offering of water to Srimati Tulasi Maharani during the Jyestha month ended on 14th May. Devotees offered water to a pure devotee in desire to receive benediction for spiritual progress.

## **Candana Yatra ends (16th May)**

The annual festival of offering candana to the deities ended with devotees seeking the blessings of Madhavendra Puri, who served his Madana Gopal by taking an arduous journey to Jagannath Puri. The Candana Yatra is a reminder of reciprocation shown by the Lord in proportion to the service attitude and loving mood of a devotee.



## **Brhad Bhagavatamrita - The Uncomparable Ocean of Mercy (May)** (ISKCON, Punjabi Bagh)

ISKCON Punjabi Bagh organized the much-awaited part of Brhad Bhagavatamrita by HG Rukmini Krishna prabhu. The divine scripture describes glories of Bhakta, Bhagwan and Bhakti. The devotees were really enriched by the most nectarean descriptions by HG Rukmini Krishna prabhu and there was very keen participation from online viewers.

# Brhad Bhagavatamrita

## Part-2 series

Topic: The story of a cowherd boy (Gopa Kumar)



**Dates: 21-23 May, 25-26 May, 28-30 May 2020**  
**Timings: 8-9.15 am**

स्व तथा दैवीय मूल्यों के विषय में चर्चा करने का प्रयास किया है। ऐसे समय में जबकि नई प्रवृत्तियों के साथ ही राय बदलती रहती है, हमने एक ऐसी पीढ़ी का सृजन करने का प्रयास किया है जो अपने विचारों के आधार पर खड़ी होती है, भले ही यह कितना भी प्रलोभक क्यों न हो। यह सुनिश्चित करने के लिए कि हमारे बच्चे, जो कि समाज में बड़े पैमाने पर बदलाव देख रहे हैं, जो चिंता का अनुभव कर रहे हैं, जो सामान्य के नाम पर बहुत कुछ नया कर रहे हैं, हम उन्हें समर्थन देना चाहते हैं, अपने स्वयं के शास्त्र भगवद गीता का समर्थन। हमने अपनी मूल्य-शिक्षा की कक्षाओं के माध्यम से उन तक पहुंचने की योजना बनाई है जो कि 30 मई 2020 से शुरू होंगी और हमारे मूल्य शिक्षा कार्यक्रम 2020 के साथ एकीकृत होंगी। पिछले साल कई भक्तों की सहायता से हम इसे 6200 छात्रों एवं 22 स्कूलों तक लेकर गए थे। इस बार हम 15,000 बच्चों तक पहुंचने की इच्छा रखते हैं। हालांकि, यह एक बहुत बड़ा कार्यक्रम है, जिसे कोई भी अकेले पूरा नहीं कर सकता। हम सभी को एक समुदाय के रूप में एक साथ आना होगा और प्रतिज्ञा करनी होगी कि हम अपनी अगली पीढ़ी हेतु अपेक्षाकृत अधिक प्रभावी भविष्य प्रदान करेंगे। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि वे बिना मार्गदर्शन के भी सही कार्य करना सीखें, विशेषतः जब कोई उन्हें नहीं देख रहा है तब भी। हम अपने स्वयं के धर्मग्रंथ भगवद गीता के माध्यम से उनमें सही मूल्यों का समावेश करके ऐसा कर सकते हैं।

## **तुलसी जलदान समाप्त (14 मई)**

ज्येष्ठ माह में श्रीमति तुलसी महारानी को जलार्पण करने का त्यौहार 14 मई को सम्पन्न हुआ। भक्ति में आध्यात्मिक उन्नति करने की इच्छा का वरदान लिए भक्तों ने भगवान् की एक शुद्ध भक्त को जलदान किया।

## **चन्दन यात्रा सम्पन्न (16 मई)**

भक्तों द्वारा, भगवान के श्री विग्रहों को चन्दन लेपन करने का वार्षिक उत्सव, श्री माधवेंद्र पुरी जी से आशीर्वाद प्राप्ति के साथ सम्पन्न हुआ, जिन्होंने अपने श्री मदन गोपाल जी की सेवा हेतु श्री जगन्नाथ पुरी की कठिन यात्रा की। चन्दन यात्रा भक्त की सेवा भावना एवं प्रेमपूर्ण मनोदशा के अनुरूप ही भगवान द्वारा परस्पर समानुपाती प्रतिफल विनिमय का स्मरण कराती है।

## **बृहद भागवतामृत - कृपा का अतुलनीय महासागर** (मई-2020)

(इस्कॉन, पंजाबी बाग)

इस्कॉन पंजाबी बाग में बृहद भागवतामृत का बहुप्रतीक्षित द्वितीय भाग श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभु द्वारा आयोजित किया गया। इस अद्भुत ग्रंथ में भक्त, भगवान एवं भक्ति की महिमा का दिव्य वर्णन है। श्रीमान रुक्मिणी कृष्ण प्रभुजी द्वारा, इस परमामृत रूपी वर्णन से भक्तों ने वास्तव में समृद्ध अनुभव किया एवं ऑनलाइन दर्शकों की इस सत्र में बहुत गहरी भागीदारी थी।



# WHY KRISHNA APPEA

In a unique form, Lord Krishna is worshiped in a famous temple in Puri, India, and at various Rathayatras (chariot festivals) there and around the world.

Lord Jagannatha may look peculiar and strange to the Western world, but He is the life and soul of the Orissans. But now Jagannatha is worshiped in many ISKCON temples around the world, and the devotees have grown to see Him as the most merciful and charming person who excuses His devotees' offenses and attracts them further along the path of devotional service.

Jagannatha means "Lord of the universe." Many Vedic books mention that Jagannatha is Krishna. Baladeva is His brother, and Subhadra is His sister. Although Krishna is absolute and transcendental to material nature, to accept the loving service of His devotees He appears before us as the deity in the temple, in the form of stone, metal, wood, or paint. Jagannatha is a wooden form of Krishna. Because Jagannatha does not look like Krishna, people may wonder how He can be Krishna. Scriptures tell the story behind Jagannatha's peculiar form.

## Jagannatha's Transcendental Advent

The Skanda Purana relates King Indradyumna's quest to find a deity form of Krishna after dreaming of a beautiful



blue deity named Nila Madhava. The name describes the sapphire color of the deity: Nila means blue, and Madhava is one of Krishna's names. King Indradyumna sent messengers in all directions to find Nila Madhava, and a brahmana named Vidyapati returned successful. He discovered that Vishvasu, a pig farmer (savara) in a remote tribal village, was secretly worshiping Nila Madhava. When Vidyapati later returned to that place with Indradyumna, however, Nila Madhava was gone. King Indradyumna surrounded the village with his soldiers and arrested Vishvasu.

Then a voice from the sky proclaimed, "Release the savara and build a big temple for Me on top of Nila Hill. There you will see Me, not as Nila Madhava, but in a form made of neem wood."

Nila Madhava promised to appear as wood (daru), and thus He is called daru-brahma ("wood-spirit"). Indradyumna waited by the ocean, where the Lord arrived as a giant log floating toward the beach.

Disguised as an old man, Vishvakarma, the architect of the demigods, arrived to carve the deities under the condition that he would remain undisturbed for twenty-one days. King Indradyumna consented, and the artist worked behind locked doors. Before the time period was up, however, the noise stopped, and King Indradyumna's intense curiosity prompted him to open the doors. Vishvakarma had disappeared. In the room, the three deities of Jagannatha, Baladeva, and Subhadra looked as if unfinished—without hands or feet—and Indradyumna became greatly perturbed, thinking he had offended the Lord.

That night, Jagannatha spoke to the king in a dream and reassured him, explaining that He was revealing Himself in that form out of His own inconceivable desire, to show the world that He can accept offerings without hands, and move around without feet.

Lord Jagannatha told the king, "Know for sure that My hands and feet are the ornament of all ornaments, but for your satisfaction, you may give Me gold and silver hands and feet from time to time."

Devotees now worship the same "unfinished" forms of Jagannatha, Baladeva, and Subhadra in Puri and in temples around the world. These forms are part of their eternal pastimes.





# ARS AS JAGANNATHA

## Transformed by Rohini's Talks

The Utkala-khanda of the Skanda Purana gives another account related to Krishna's appearance as Jagannatha. (Utkala is the traditional name for Orissa.) Once, during a solar eclipse, Krishna, Balarama, Subhadra, and other residents of Dwaraka went to bathe in a holy pond at Kurukshetra. Knowing that Krishna would be there, Srimati Radharani, Krishna's parents Nanda and Yashoda, and other residents of Vrindavana, who were burning in the fire of separation from the Lord, went to meet Him. Inside one of the many tents the pilgrims had set up at Kurukshetra, Rohini, Lord Balarama's mother, narrated Krishna's Vrindavana pastimes to the queens of Dwaraka and others.

The residents of Dwaraka are said to be in the mood of opulence (aishvarya), and they worship Krishna as the Supreme Lord. But the residents of Vrindavana are in the mood of sweetness (madhurya), and they have a confidential relationship with Krishna that surpasses awe and reverence because it is based on friendship and love. Rohini's narration was thus extremely confidential, so she posted Subhadra at the door to prevent anyone from entering.

Krishna and Balarama came to the door and stood on Subhadra's left and right sides. While listening to Rohini's

narration of Krishna's intimate Vrindavana pastimes, Krishna and Balarama became ecstatic, and Their internal feelings were exhibited externally. Their eyes became dilated, Their heads compressed into Their bodies, and Their limbs retracted. Seeing these transformations in Krishna and Balarama, Subhadra also became ecstatic and assumed a similar form. Thus, by hearing about Krishna's pastimes in Vrindavana, Krishna and Balarama, with Subhadra in between, displayed their ecstatic forms of Jagannatha, Baladeva, and Subhadra.

When the sage Narada saw Krishna transformed as Jagannatha, he prayed to the Lord to appear like this again. Although the Lord is not obliged to anyone, He reciprocates with His devotees to fulfill their desires. In Garga Samhita Krishna states (1.27.4): "I am full—all the epics in one. Yet I surrender to the wish of My devotee and come in whatever form he wants." Thus, just as Krishna appeared as Nila Madhava to satisfy Vishvavasu, He appeared in the deity form as Jagannatha and resides in Jagannatha Puri to satisfy the desire of Narada Muni.

This special form of Krishna is also known as Patita Pavana, the savior of the fallen, and anyone who takes His audience with proper consciousness is awarded spiritual liberation.

Since Lord Jagannatha is none other than Krishna, His abode is equal to Vrindavana, where Krishna performs His childhood pastimes. Jagannatha Puri—also called Purushottama-kshetra, Sri Kshetra, and Nilacala ("the place of the blue mountain")—contains all of Krishna's Vrindavana pastimes (lilas), although they may be hidden from material eyes. The Vaishnava-tantra states, "Whatever lilas of Sri Krishna are manifest in Gokula, Mathura, and Dwaraka are all found in Nilacala, Sri Kshetra."

By having the proper spiritual vision—eyes anointed by pure love of Godhead, krishna-prema—one can see all the pastimes of Krishna there. Jagannatha is no one else but the ecstatic manifestation of Krishna, who appears in His most merciful form to help us go home, back to Godhead. Therefore, Srila Prabhupada has introduced the Jagannatha Rathayatra in many cities around the world to uplift the conditioned souls from the spell of maya (illusion). Let us take advantage of the occasion.





## Upcoming events:

### **Pandava Nirjala Ekadashi (2nd June)** (ISKCON Delhi)

Fasting on Ekadashi or other auspicious days is the perfect way to control the urge of the stomach. Pandava Nirjala Ekadashi is one such day potent with catapulting one on the path of spiritual progress. Devotees observe a complete fast even from water, on this day. Abstinence if not garnished with higher taste, turns out to be futile. Therefore, devotees use this day to hear more, read more, chant more and try all possible ways to dovetail one's consciousness in devotional service to Krishna.

### **Disappearance Day of Srila Bhaktivinode Thakura (21st June)** (ISKCON, East of Kailash)

Srila Bhaktivinode Thakura is a prominent acharya in the line of Vaishnavas guiding the Krishna consciousness movement. He was the pioneer of the renaissance of the Vaishnava tradition. He disseminated the teachings and glories of Lord Chaitanya through books and songs. His instructions are most significant for developing a proper mood and attitude in the service of the Lord. His disappearance day will be celebrated with pushpanjali and kirtan.



### **Gundica Marjana (22nd June)** (ISKCON, Delhi)

The annual festival of Gundica Marjana or cleaning of the temple will be celebrated this year by the resident devotees of the temple. As the temple remains out of bounds for the congregation members and the general public, this festival will be celebrated by the cleaning of every corner of the temple. Devotees use this opportunity to clean their heart through the act of cleansing the temple.



## आगामी कार्यक्रम

### **पांडव निर्जला एकादशी (2 जून)** (इस्कॉन दिल्ली)

एकादशी एवं अन्य शुभ अवसरों पर उपवास करना उदर के वेग को नियंत्रित करने का एक समुचित उपाय है। पांडव निर्जला एकादशी ऐसा ही एक प्रबल प्रगति प्रदायक दिन है, जो आध्यात्मिक उन्नति के पथ पर किसी को अग्रसर करता है। भक्तगण इस दिन पूर्ण व्रत रखते हैं यहाँ तक कि पानी से भी। वृत्त या संयम को भी यदि उच्च रुचि के सिद्धान्त के संग अलंकृत नहीं किया जाता है, तो यह निष्फल हो जाता है। अतः भक्त इस दिन का समुचित उपयोग भगवान् के विषयक अधिक श्रवण, अधिक पठन, अधिक जप आदि करने एवं कृष्ण की प्रेममयि सेवा अर्थात् भक्ति में अपनी चेतना को स्थापित करने हेतु हर संभव प्रयास से करते हैं।

### **श्रील भक्तिविनोद ठाकुर का तिरोभाव दिवस**

(2 जून)  
(इस्कॉन, ईस्ट ऑफ कैलाश)

श्रीकृष्ण भावनमृत आंदोलन के मार्गदर्शक वैष्णवों की पंक्ति में श्रील भक्तिविनोद ठाकुर, एक प्रमुख आचार्य हैं। वह वैष्णव परंपरा के पुनर्जागरण के अग्रिम आचार्य थे। जिन्होंने पुस्तकों तथा गीतों के माध्यम से भगवान् चैतन्य महाप्रभु की महिमा एवं शिक्षाओं को प्रचारित किया। भगवान् की सेवा में एक उचित मनोदशा एवं सही दृष्टिकोण विकसित करने हेतु उनके निर्देश सबसे महत्वपूर्ण हैं। उनका तिरोभाव दिवस पुष्पांजलि और कीर्तन के साथ मनाया जाएगा।

### **गुंडिका मारजन (22 जून)** (इस्कॉन, दिल्ली)

गुंडिका मारजन (मंदिर की सफाई) का वार्षिक उत्सव इस वर्ष मंदिर के निवासी भक्तों द्वारा ही मनाया जाएगा क्योंकि ग्रहस्थ भक्त मण्डली के सदस्यों और आम जनता हेतु मंदिर में प्रवेश निषिद्ध है। यह त्यौहार मंदिर के सभी कौनों की सफाई कर मनाया जाएगा। भक्त इस अवसर का उपयोग मंदिर की सफाई के माध्यम से अपने हृदय की सफाई करने हेतु करते हैं।





# PREACHING CENTRES AROUND DELHI NCR

## ISKCON, EAST OF KAILASH

**Chirag Delhi**-168, Sejwal Chowpal, Near Subzi Mandi  
Chirag Delhi, New Delhi-110017

Contact at: 9911717110, 9910381818, 9810484885  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Okhla**- Chhuria Muhalla Chowpal, Tehkhand Village  
Okhla, Phase – I, New Delhi-110020  
Contact at: 8588991778, 9810016516, 9911613165, 9971755934  
Program: Every Tuesday, Evening 7 PM to 9 PM

**Kotla Mubarakpur**- Shri Omkareshwar Shiv Mandir  
(Panghat wala), Gurudwara Road  
Opp. Sher Singh Bazar, Kotla Mubarakpur, New Delhi-110003  
Contact at: 9350941626, 9818767673, 9311510999  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Khanpur**- B-192-B, Jawahar Park, Devli Road  
(Near Cambridge School), Khanpur, New Delhi-110062  
Contact at: 9818700589, 9810203181, 9910636160  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**Hari Nagar, Ashram**- 217, Saini Chaupal, Ashram Or 119, VIIT Computer  
Institute (Basement)  
Hari Nagar, Ashram, New Delhi-110014  
Contact at: 9811281521, 011-26348371  
Program: Every Saturday, Evening 7 PM to 9 PM

**East Vinod Nagar**-E – 322, Gali No. 8, East Vinod Nagar, Delhi-110091  
Contact at: 9810114041, 9958680942  
Program: Every Saturday, Evening 6.30 PM to 8.30 PM

**Srinivas Puri**-Sanatan Dharam Durga Mandir  
1st Floor, J J Colony near to Gurudwara, Srinivas Puri,  
New Delhi-110065  
Contact at: 9711120128, 9654537632  
Program: Every Wednesday, Evening 7.30 PM to 9 PM

**Sangam Vihar**- E-6/102, Near Mahavir Vatika  
Sangam Vihar, New Delhi-110080  
Contact at: 9212495394, 9810438870  
Program: Every Sunday: Evening 5 PM to 8 PM  
Every Morning: 5 AM to 7 AM (Mantra Meditation)  
Every Evening: 7 PM to 9 PM (Aarti)

**Boat Club**-Rajpath Lawn near Central Secretariat Metro Station,  
New Delhi -110001  
Every Wednesday 1PM -2 PM  
Contact : 9560291770, 9717647134

**Panchsheel Enclave**-ISKCON DIVE, A-1/7 Panchsheel Enclave, New  
Delhi-110017

**Mayur Vihar**-Srivas Angan Namahatta Center, 223-A Pkt.  
C ph.2 Mayur Vihar  
Every Saturday 5.30 - 7.30 PM  
Contact ~ 9971999506 & 9717647134

**Sarojini Nagar**-Bharat Sewak Samaj Nursery School, Opp. Keshav Park,  
Sarojini Nagar Market, New Delhi – 110023  
Every Monday 6 PM to 8 PM  
Contact : 9899694898, 9311694898

**Lodi Road**-Pocket – 2 Park, Lodhi Road Complex, New Delhi – 110003  
Every Saturday 5 PM to 7 PM  
Contact : 9868236689, 8910894795

**R.K.Puram**-DMS Park (Opp. House No. 238), Sector - 7, R.K. Puram,  
New Delhi –22, Every Sunday 5 PM to 7 PM  
Contact: 9899179915, 860485243, 8447151399

**Gole Market**-Model Park, Sector – 4, DIZ Area, Gole Market,  
New Delhi – 110001  
Every Saturday 5 PM to 7 PM  
Contact: 9560291770, 9717635883

**Sant Kanwar Ram Mandir**-6.15pm. Every MONDAY at Jal Vihar Road,  
Lajpat Nagar -2, New Delhi Contact- 9971397187.

**East of Kailash**-Katha - Amritam, 6.45 pm every Sunday, Venue- Prasadam  
Hall, ISKCON Temple, Contact: 99582 40699, 70113 26781.

**East of Kailash**-Yashoda Angan, 6.45pm every Sunday, Venue- JCC  
Room, Iskcon temple, East of Kailash, Contact:- 97110 06604

## ISKCON, GURUGRAM

### RADHA KRISHNA MADIR

New Colony, Gurugram, Every Saturday-6:30 to 8:30PM  
Melodious Kirtan, Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna  
Prasadam

### Rail Vihar Community Center

Sec 47, Gurugram, Every Wednesday 7:00 to 9:30PM, Melodious Kirtan,  
Discourse on wisdom of Bhagvad Gita and Krishna Prasadam



Do you want to find a  
Vaishnava Partner  
for a  
Krishna conscious  
marriage???

Look no further....

Please sign up on

[www.kcmatches.com](http://www.kcmatches.com)

## Nitya Seva

Nitya Seva-Niswartha Seva is a selfless monthly donation program for serving the Lord. It's purely voluntary, based on the desire, inclination and capability of the donor. The mode of donation could be through cash, cheque or ECS. One can choose to donate any amount as Lord Krishna sees our intent behind that donation. A formal receipt will be provided for each donation. For more details,

- Sri Sri Radha Parthasarathi Nitya Vighraha Sewa including bhoga offerings (fruits, vegetables, dry fruits, wheat flour, sugar, desi ghee, etc), deity dresses, deity jewellery and other paraphernalia, Please contact HG Janmashtami Chandra Prabhu @ 7011326781, 9999035120
- For ISKCON, East of Kailash, Please contact HG Baladeva Sakha Prabhu @ 9312069623
- For ISKCON, Punjabi Bagh, Please contact HG Premanjana Prabhu @ 9999197259.
- For ISKCON, Dwarka, Please contact HG Archit Prabhu @ 9891240059.
- For ISKCON, Gurugram, Please contact HG Narhari Prabhu @ 9034588881.
- For ISKCON, Faridabad, Please contact HG Ravi Shravan Prabhu @ 9999020059
- For ISKCON Panchsheel, Please contact HG Advaita Krishna Prabhu @ 9810630309/HG Rasraj Prabhu @ 9899922666



# International Society for Krishna Consciousness

Founder Acharya - HDG A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada

ISKCON, East of Kailash - Hare Krishna Hill, East of Kailash, New Delhi-65

Web: [www.iskcondelhi.com](http://www.iskcondelhi.com) | Live Darshan: [live.iskcondelhi.com](http://live.iskcondelhi.com)

Facebook: [www.facebook.com/iskcondelhi](http://www.facebook.com/iskcondelhi), Contact: 011-41625804, 26235133

**ISKCON, Punjabi Bagh** - 41/77, Srila Prabhupada marg,  
West Punjabi Bagh, Delhi-26  
Contact Person: HG Premanjana Prabhu (8802212763)

**ISKCON, Dwarka** - Plot No.-4, Sector-13, Dwarka, New Delhi-110075  
Web: [iskcondwarka.org](http://iskcondwarka.org), Facebook: [www.facebook.com/iskcon.dwarka/](http://www.facebook.com/iskcon.dwarka/)  
Contact: 9891240059, 8800223226

**ISKCON, Gurugram** - Sudarshan Dham, Main Sohna Road,  
Badshahpur, Gurugram  
Contact Person: HG Narhari Prabhu : 9034588881

**ISKCON, Faridabad** - Sri Sri Radha Govind Mandir, Gita Bhawan,  
C-Block, Ashoka Enclave-II, Sector-37, Faridabad,  
Phone : 0129-4145231  
Email : [gopisvardas@gmail.com](mailto:gopisvardas@gmail.com)

**ISKCON, Bahadurgarh** - Nahara-Nahari Road, Line Par Bahadurgarh,  
Haryana - 124507, Phone: +91-9250128799  
Email: [info@iskconbahadurgarh.com](mailto:info@iskconbahadurgarh.com)

**ISKCON, Rohini** - Plot No-3, Institutional Area, Main Road,  
Sector-25, Rohini New Delhi 110085  
Phone: +91-9871276969  
Email: [iskcon.rohini@gmail.com](mailto:iskcon.rohini@gmail.com)

**ISKCON Gurugram (Badshahpur)** - Sudarshan Dham, Gurgaon-  
Sohna Road, Badshahpur, Gurgaon (2.5kms from Vatika Business park),  
Gurugram, Haryana 122001  
Phone: +91-9250128799, Email: [info@iskconbahadurgarh.com](mailto:info@iskconbahadurgarh.com)

**ISKCON Ghaziabad** - 11, ISKCON CHOWK R, 35, Hare Krishna Marg,  
Block 11, Raj Nagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh 201002  
Phone: 081309 92863, Email: [iskcon.ghaziabad@pamho.net](mailto:iskcon.ghaziabad@pamho.net)

**ISKCON Chhattarpur** - Village Near Shani Dham Mandir, Asola,  
Fatehpur Beri, New Delhi, Delhi 110074  
Phone: 099537 40668

**ISKCON Gurugram** - ISKCON, Plot No 0, Near Delhi Public School,  
Sector-45, Gurugram, Haryana-122003  
Phone: 09313905803, 08920451444, 09810070342  
Email: [iskcongurugram.sec45@gmail.com](mailto:iskcongurugram.sec45@gmail.com)

**Sri Sri Radha-Vallabh Temple** - 2439, Chhipiwara, Chah Rahat,  
Jama Masjid Rd, Old Delhi, Delhi-110006  
Phone: 098112 72600

**Sri Sri Radha Govind Dev Temple** - Opposite NTPC Office, A-5,  
Maharaja Agrasen Marg, Block A, Sector 33, Noida, Uttar  
Pradesh-201301  
Phone: 095604 76959

We hope you liked the newsletter. Please send your feedback/comments/suggestions at [delhinews108@gmail.com](mailto:delhinews108@gmail.com)



## Transcendental Dining Experience

# GOVINDA'S

PURE VEGETARIAN RESTAURANT

Facilities for Corporate Meetings / Seminars / Weddings /  
Birthday / Reception etc. from Minimum 30 to 600 persons.  
We undertake Outdoor Catering services as well.

**Lunch**  
12.30 to 3.30 pm

**Snacks**  
4.00 to 6.30 pm

**Dinner**  
7.00 to 10.00 pm

- Wide selection of Snacks & Desserts
- Multi Cuisine Menu
- Unique Ambience
- Theme Decor Arrangement

A-la-Carte 7.00 to 10.00pm from Monday to Friday  
Buffet Lunch daily, Buffet Dinner on Saturday and Sunday only

Only Restaurant in Delhi serving unique  
Multi-Cuisine traditional feast of  
56 varieties of dishes under one roof...

ISKCON Temple Complex, Sant Nagar,  
East of Kailash, New Delhi-110065

**9873131169 | 9650800328 | 011-41094042**